मेरे साथी मेरे हनुमान | by Ajeet Srivastava

आपकी छवि निराली है
आपकी महिमा प्यारी है
हनुमान जी.....
आपकी छवि निराली है
आपकी महिमा प्यारी है
दु:ख आपकी शरण में मेरे दूर हो गए
मेरे साथी मेरे हनुमान जी
मेरे साथी मेरे हनुमान जी

माता अंजनी के लाल पवन पुत्र कहलाते हो
उड़ कर नीले गगन में सूर्य को भी सताते हो
दीन्हि भक्ति की प्यारी है
बदन पे चढ़ गई अब लाली है
तेरी भक्ति में मेरे सारे पाप धुल गए
मेरे साथी मेरे हनुमान जी
मेरे साथी मेरे हनुमान जी

पूँछ से अपनी कैसे लाकंका को दहलाया था
मूर्छित पड़े थे लक्ष्मण प्राण आपने बचाया था
सजी अब पूजा की थाली है
तेरी महिमा निराली है
आके तेरी शरण में सारे कष्ट खो गए
मेरे साथी मेरे हनुमान जी
मेरे साथी मेरे हनुमान जी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a5%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-ajeet-srivastava/